विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय
नीतू कुमारी ,वर्ग -पंचम ,विषय- हिंदी ,दिनांक--17-04-2021. एन.सी.आर.टी पर आधारित

पाठ -1

सुप्रभात बच्चअॅ,
आज की कक्षा में आप लोग सबसे पहले श्री सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला 'का परिचय जानेंगे ,तथा सरस्वती वंदना कविता का भावार्थ जानेंगे|
जो कि इस प्रकार है -----
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' परिचय -----
*जन्म- 21 फरवरी 1899 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले के महिषादल नामक देशी राज्य में |

* मूल निवास :- उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले का गढ़कोला नामक गांव |
* शिक्षा- हाई स्कूल तक संस्कृत हिंदी और बंगला का स्वतंत्र अध्ययन किए |
कार्यक्षेत्र---1918 से 1922 तक महिषादल राज्य सेवा |उसके बाद संपादन स्वतंत्र लेखन और अनुवाद कार्य किए|

भावार्थ :---------
वर दे वीणा वादिनी मां सरस्वती की वंदना है | जिसमें निराला जी देश की जडता तोड़कर देश को नई ऊर्जा के लिए सरस्वती मां से वंदना कर रहे हैं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला इस कविता में हे मां! सरस्वती! हमें वरदान दीजिए |हे मां! हम सब में में नया ज्ञान रूपी अमृत -मंत्र भर दीजिए |हे मां !सरस्वती! हमारे हृदय में स्थित अंधकार की जगह प्रकाश भरकर इसे जगमग कर दीजिए |
हे मां सरस्वती ! देश की जडता भंग कर और देश में नई गति, नया लय,नया ताल, नया स्वर दीजिए |
आकाश में विचरण करने वाले पक्षियअॅ को नया स्वर दीजिए |
हे मां सरस्वती हमें वरदान दीजिए |
बच्चअॅ ,दी गई अध्ययन -सामग्री पर है तथा पढ़कर समझने की प्रयास करें और वर्ग का कॉपी में उतारे |